कोविड ट्रीटमेंट फैसिलिटी (पेड)
राज्य सरकार के निर्देशानुसार
जनरल वार्ड । आईसीयू
ए.सी. वार्ड | प्राइवेट ए.सी. रूम
प्राइवेट नॉन ए.सी. फैमिली सुइट
प्राइवेट ए.सी. फैमिली सुइट
* सभी अतिरिक्त सुविधाएं अतिरिक्त भुगतान पर उपलब्ध
9649904849, 9461221718

टी मीडिया
tmedia@tantiauniversity.com
टांटिया समूह, श्रीगंगानगर का गौरवशाली प्रकाशन

बीकानेर सम्भाग में पहली बार विश्व की अत्याधुनिक व बड़ी
M.R.I. (एम.आर.आई.)
1.5 Tesla (16 Channel)
मशीन द्वारा जांच अब श्रीगंगानगर में

टांटिया जनरल हॉस्पिटल
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर
0154-2481505, 94139-50724
आपातकालीन सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध

वर्ष : 01 | अंक : 14 | पाक्षिक | श्रीगंगानगर | 30 दिसम्बर, 2020 | मोबाइल : 9461221718, 8005519250

जन सेवा हॉस्पिटल : मरीज आते समय परेशान, जाते समय होती है मुस्कान

एक ही छत के नीचे सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध, अन्यत्र कहीं जाने की जरूरत ही नहीं

श्रीगंगानगर।

डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में आते समय तो मरीज परेशान होते हैं लेकिन जाते समय होती है स्वस्थ व संतुष्ट होने की मुस्कान। हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित इस हॉस्पिटल ने श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले ही पड़ोसी राज्यों तक में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। अनेक राज्यों, महानगरों तक के मरीज यहां आकर लाभ उठा रहे हैं। एक ही छत के नीचे विशेषज्ञ चिकित्सकों, अत्याधुनिक विश्वस्तरीय उपकरणों, प्रशिक्षित-अनुभवी नर्सिंग ऑफिसर्स तथा सभी तरह की जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होने की वजह से मरीजों और उनके परिजनों को अन्यत्र कहीं जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। जन सेवा हॉस्पिटल में परामर्श शुल्क सिर्फ 10 रुपए रखा हुआ, केवल 10 रुपए में मरीज को भर्ती किया जाता है। इमरजेंसी एवं ट्रोमा विभाग में हर समय न्यूरो, आर्थो एवं प्लास्टिक सर्जन जैसे विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध हैं।

सर्वाधिक विश्वसनीय सूची में शामिल

श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले का ही नहीं उत्तर भारत के सबसे अधिक विश्वसनीय हॉस्पिटलों की सूची में शामिल जन सेवा हॉस्पिटल अपने हृदय रोग विभाग, जनरल सर्जरी, मेडिसिन, हड्डी रोग व जोड़, छाती, टीबी व श्वांस रोग, नेत्र रोग, नवजात व शिशु रोग, प्रसूति व स्त्री रोग, आपातकालीन, मुंह, गला व थॉइराइड कैंसर रोग विभाग आदि के माध्यम से मरीजों तथा उनके परिजनों की उम्मीदों के अनुसार समर्पित भाव से सेवाएं दे रहा है। जटिल ऑप्रेशन भी सफलता से किए जा रहे हैं। सीटी स्कैन, एमआरआई, एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड, ब्लड बैंक, डायलिसिस आदि का बेहतरीन इंतजाम है। अत्याधुनिक आईसीयू, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्केन, डायलिसिस आदि का शुल्क भी अपेक्षाकृत कम लिया जा रहा है। ब्लड सेंटर में डेंगू आदि मरीजों के लिए एसडीपी भी उपलब्ध है।

- भवन के अंदर लेबोरेट्री की रियायती दर पर सेवाएं।
- मरीज के लिए अंदर ही गुणवत्ता का भोजन उपलब्ध।

- नकद के साथ-साथ डिजिटल भुगतान की भी व्यवस्था।
- एक्सरे, सीटी स्केन, एमआरआई आदि की जल्दी रिपोर्ट।
- आवश्यकता होने पर कम्बल भी उपलब्ध करवाए जाते हैं।
- परामर्श, जांच आदि के लिए एक ही पर्ची, आईडी पर सभी सुविधा।
- भवन में लिफ्ट की सुविधा, स्वच्छता का विशेष ध्यान।
- हॉस्पिटल में ब्लड सेंटर की भी सेवा।
- कैन्टीन सेवा उपलब्ध, ठहरने की भी व्यवस्था।
- भवन के बाहर सुन्दर पार्क, लॉन, शांत वातावरण।
- वाहनों के लिए पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था।
- लाने, ले जाने के लिए एम्बुलैन्स हर समय मौजूद।

जन सेवा हॉस्पिटल की सेवाएं प्रशंसनीय है। विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं समर्पित स्टाफ की जितनी तारीफ की जाए कम है।
- उग्रसेन चक मनफूलसिंहवाला

उपचार के लिए कई जगह गए हैं लेकिन जन सेवा हॉस्पिटल की सेवाओं का कोई मुकाबला नहीं है। सेवा और सुविधा सराहनीय है।
- ममता रावला

श्रीगंगानगर जैसे शहर में महानगरों की तरह सेवाएं दी जा रही है, तमाम तरह की व्यवस्थाएं हैं। प्रबंधन की इसके लिए प्रशंसा करते हैं **- अमरचंद जोइयावाली**

हॉस्पिटल की व्यवस्थाओं से मैं पूरी तरह संतुष्ट है। मरीजों का पूरा ध्यान रखा जाता है, स्टाफ को साधुवाद।
- धापी देवी लाधुवाली

मरीज और उनके परिजनों की अपेक्षाओं पर जन सेवा हॉस्पिटल खरा उतर रहा है। स्वच्छता आदि का भी पूरा ध्यान रखा जाता है
- कविता श्रीगंगानगर

विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा नाम मात्र शुल्क पर, भोजन, जरूरत होने पर कंबल। वास्तव में जन सेवा जन-जन की सेवा कर रहा है
- संतोष श्रीगंगानगर

नई तकनीक में भी सबसे आगे

डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के जन सेवा औषधि केंद्र का एप तैयार है, इसके इस्तेमाल पर रियायत की बौछार होगी। हॉस्पिटल परिसर में जन सेवा औषधि केंद्र संचालित हो रहा है। इसके माध्यम से मरीजों एवं परिजनों की सुविधाओं को देखते हुए आवश्यक दवाएं आदि चिकित्सकीय सामग्री बाजार से अपेक्षाकृत कम दामों में पहले से ही उपलब्ध करवाई जा रही है। अब कोशिश की गई है डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने की। इसके अंतर्गत एप तैयार किया है। इसे गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से डाउन लोड किया जा सकता है और लाभ उठाया जा सकता है।

इनको निःशुल्क सेवा उपलब्ध

आयुष्मान भारत महात्मा गांधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत कार्डधारकों को जरूरी औपचारिकता के बाद जन सेवा हॉस्पिटल में निःशुल्क सेवा उपलब्ध है। इन कार्डधारकों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है।

प्रमुख बीमा कम्पनियों से अधिकृत

डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) दर्जनों प्रमुख बीमा कम्पनियों के बीमा प्रकरणों के लिए भी अधिकृत है। जिन बीमाधारकों ने इन कम्पनियों के हेल्थ या टर्म इंश्योरेंस करवा रखा है, उनको भरपूर लाभ मिल रहा है। कैश लैस में सारा पैसा संबंधित बीमा कम्पनी देती है। प्री हेल्थ के अंतर्गत बीमा कम्पनियां बीमा के आवेदकों के स्वास्थ्य की पूरी जांच करवाती है, इस मेडिकल चैकअप के लिए भी जन सेवा हॉस्पिटल को अधिकृत किया हुआ है। बीमा कम्पनियों के पुनर्भरण (रिअम्बर्समेंट) के लिए बिल भी हॉस्पिटल में पास होते हैं।

टांटिया यूनिवर्सिटी की तरफ बना हुआ है देश भर के विद्यार्थियों का रुझान

बेहतरीन सेवाएं दे रहा है एडमिशन सैल

फाइल फोटो

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी की तरफ देश भर के विद्यार्थियों का रुझान हमेशा की तरह शैक्षणिक सत्र 2020-2021 में भी बना हुआ है। प्रवेश प्रक्रिया कुछ संकायों में सम्पन्न हो गई तो कइयों में प्रक्रियाधीन है। यूनिवर्सिटी का एडमिशन सैल प्रभारी डॉ. मुकेश गोयल के नेतृत्व में पूरी सक्रियता से जुटा हुआ है। वे समय-समय पर नवीनतम प्रगति का ब्यौरा ले रहे हैं और वरिष्ठ जनों एवं एडमिशन सैल के स्टाफ आदि के साथ बैठक कर विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों की पूर्ण संतुष्टि सुनिश्चित कर रहे हैं। विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को न केवल मार्गदर्शन दिया जा रहा है, उनकी शंकाओं का समाधान करते हुए प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न होने तक पूरा सहयोग प्रदान किया जा रहा है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस कोविड-19 के मद्देनजर सरकारी एडवाइजरी की अक्षरशः पालना की जा रही है वहीं प्रवेश एवं अन्य जानकारी के लिए टांटिया यूनिवर्सिटी की एडमिशन सैल अपनी ऑन लाइन सेवाओं को पूर्व की तरह जारी रखे हुए है। यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के माध्यम से प्रवेश के इच्छुक फार्म भर रहे हैं। विद्यार्थियों के सम्पर्क करने पर उनके मोबाइल पर बकायदा लिंक भेजा जाता है, इससे वे प्रवेश फार्म भरने, अपनी स्थिति जानने और फीस भरने जैसे समस्त कार्य बड़ी आसानी से घर बैठे सम्पादित कर रहे हैं।

डॉ. मुकेश कुमार गोयल

फाइल फोटो

टीयू टॉप-10 में शामिल

टांटिया यूनिवर्सिटी (टीयू) टॉप-10 यूनिवर्सिटी में शामिल है। शिक्षा जगत की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका नोलेज रिव्यू ने एक सर्वे के बाद 'दी 10 बेस्ट यूनिवर्सिटीज टू वॉच इन 2020' का प्रमाण पत्र दिया है। नोलेज रिव्यू पत्रिका ने टांटिया यूनिवर्सिटी की विशेषताओं एवं उपलब्धियों का दो पृष्ठ में विवरण देते हुए इसे वैश्विक समुदाय में जिम्मेदार नेतृत्व प्रदान करने में सक्षम विद्यार्थियों को तैयार करने वाली संस्था की उपमा दी है। यूनिवर्सिटी के संस्थापक डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया एवं अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना के योगदान का उल्लेख करते हुए व्यावसायिक एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का ब्यौरा भी इसमें दिया गया है।

आयुर्वेद, होम्योपैथी के कोर्स द्वितीय अनुसूची में शामिल

टांटिया यूनिवर्सिटी के आयुर्वेद एवं होम्योपैथी के यूजी-पीजी कोर्स द्वितीय अनुसूची में शामिल किए गए हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने इस बारे में अधिसूचना जारी कर राजपत्र में प्रकाशित किया है। ऐसा होने से टांटिया यूनिवर्सिटी में कोर्स करने वाले विद्यार्थियों को देश-विदेश में मान्यता संबंधी महत्वपूर्ण तकनीकी औपचारिकता पूरी हो गई है। राजस्थान नीट आयुष यूजी पीजी कौंसलिंग बोर्ड के माध्यम से टांटिया यूनिवर्सिटी में प्रवेश लिए जा रहे हैं।

प्रमुख संस्थानों-विभागों से सम्बद्ध

टीयू विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मान्यता प्राप्त है। प्रमुख सरकारी संस्थानों-विभागों से स्वीकृत, सम्बद्ध एवं मान्यता प्राप्त है। ऑल इंडिया कौंसिल फॉर टेक्निकल एज्युकेशन, नैशनल कौंसिल फॉर टीचर एज्युकेशन, बार कौंसिल ऑफ इंडिया, फार्मेसी कौंसिल ऑफ इंडिया, सेंट्रल कौंसिल ऑफ इंडियन मेडिसिन, सेंट्रल कौंसिल ऑफ होम्योपैथी, इंडियन नर्सिंग कौंसिल, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटिज, आयुष मंत्रालय, दी इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथैरेपी, सामाजिक न्याय विभाग, मानव संसाधन विभाग आदि से टीयू का जुड़ाव है।

यह है स्थिति

टांटिया यूनिवर्सिटी में राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंस की पहली एवं दूसरी कौंसलिंग को पूर्ण किया गया है। बीएड, एमएड में पीटीईटी-2020 की कौंसलिंग से विद्यार्थी आवंटित हुए हैं। फिजियोथैरेपी, कृषि, नर्सिंग में बीएससी, एमएससी, पोस्ट बेसिक नर्सिंग, आयुर्वेद नर्सिंग, एमए, एमकॉम, एमएससी, एमबीए में प्रवेश प्रक्रियाधीन है।
टांटिया यूनिवर्सिटी ने डीपीएड में स्वयं की ओर से कौंसलिंग पूर्ण कर शारीरिक दक्षता जांच प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की है, फिजिकल एज्युकेशन के अंतर्गत बीपीएड एवं एमपीएड में कौंसलिंग प्रक्रियाधीन है। पीएचडी के एंट्रेस एक्जाम ऑन लाइन हो चुके, सरकारी एडवाइजरी के अनुसार समस्त कार्य किया जा रहा है।

सदा स्मृति में रहेंगे पवन गुप्ता

श्रीगंगानगर।

टांटिया समूह से जुड़े पवन गुप्ता सदा स्मृति में रहेंगे। हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के अतिरिक्त निदेशक के रूप में भी वे सराहनीय सेवाएं दे रहे थे। लगभग 54 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। टी मीडिया उनके निधन पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है और परमपिता परमेश्वर से यह प्रार्थना करता है कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

टीयू के इको फ्रेंडली परिसर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की भूमिका महत्वपूर्ण

बूंद-बूंद जल का किया जाता है सदुपयोग

टीयू की टॉप टेन विशेषताएं

- कम्बाइड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित।
- वर्षा जल संग्रहण की व्यवस्था।
- हरा-भरा प्रदूषण मुक्त परिसर।
- व्यापक पौधरोपण व हरियाली।
- स्वच्छता के प्रति विशेष सजगता।
- डेयरी के पशुओं की खाद का कुशल उपयोग।
- छत्तों पर सौलर ऊर्जा संयंत्र।
- परिसर में भ्रमण के लिए सौलर गाड़ियां।
- भवन का डिजाइन पर्याप्त हवा-रोशनी वाला।
- परिसर में प्लास्टिक का उपयोग वर्जित।

श्रीगंगानगर।

मां सरस्वती के विद्या मन्दिर टांटिया यूनिवर्सिटी (टीयू) के इको फ्रेंडली परिसर में कम्बाइंड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (सीएसटीपी) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसे दूषित जल उपचार संयंत्र भी बोला जाता है। तीन सौ केएलडी की क्षमता वाले इस प्लांट के माध्यम से दूषित जल का न केवल अत्याधुनिक तकनीक से निस्तारण किया जा रहा है, बूंद-बूंद जल का सदुपयोग भी किया जा रहा है।

टीयू के विशाल को परिसर देखने वाले हरियाली के रंग और मेहनत के संग को देखकर दंग होते हैं। सीएसटीपी से दूषित जल को उपयोग लायक बनाया जाता है। परिसर के लॉन, पेड़-पौधों को जरूरत के हिसाब से फव्वारा पद्धति एवं बूंद-बूंद पद्धति से भी सिंचाई दी जाती है। आवश्यकता होने पर कृषि संकाय की तरफ से जैविक उपाय करते हुए जीवामृत का छिड़काव किया जाता है।

टीयू परिसर का यह स्वरूप दूरदर्शिता, अथक मेहनत और समर्पण से ही बना है। प्रबंधन की हमेशा यही कोशिश रही है कि समय के साथ चला जाए और नई तकनीक को अपनाते हुए लीक से हटकर काम किए जाएं। जल का महत्व जानते हुए पानी की प्रत्येक बूंद का उपयोग किया जा रहा है। वर्षा जल का संग्रहण भी किया जा रहा है। हरे-भरे विशाल लॉन और पेड़-पौधों को बूंद-बूंद तथा फव्वारा सिंचाई पद्धति से भी पाला-पोसा जा रहा है।

छत्तों पर सौर ऊर्जा का संयंत्र लगाकर इसका भी संग्रहण किया जा रहा है। परिसर के भवनों की डिजाइन इस तरह रखी गई है कि पर्याप्त हवा और रोशनी अंदर आती रहे।

श्रीगंगानगर शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने फहराया परचम

टांटिया यूनिवर्सिटी के एमएड, बीएड व बीएड (पार्ट टाइम) में दिखाई प्रतिभा

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के एमएड, बीएड व बीएड (पार्ट टाइम) के सत्र 2018-20 के परीक्षा परिणाम में श्रीगंगानगर शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभा का परचम फहराया है। एमएड में उमा सैनी 80.19 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम रहीं, बीएड में प्रथम रहे अमृतपाल ने 81.41 प्रतिशत तथा बीएड (पार्ट टाइम) में धीरज झामतानी ने 77.94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। महाविद्यालय के डीन व यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेंद्र कुमारा गोदारा एवं उप प्राचार्या डॉ. रेखा सोनी ने इस उपलब्धि पर बधाई दी है। एमएड में मनदीप कुमार (79.75 प्रतिशत) द्वितीय एवं किरण (78.19 प्रतिशत)तृतीय रहे। बीएड में सोनिया कामरा (80.06 प्रतिशत) दूसरे तथा संतोष कुमारी (79.53 प्रतिशत) तीसरे स्थान पर रहीं। बीएड (पार्ट टाइम) में जिज्ञासा पातीदार (77.29 प्रतिशत) द्वितीय एवं दयावन्ती शर्मा (75.75 प्रतिशत) तृतीय रहे।

M.Ed

उमा सैनी
First - 80.19%

मनदीप कुमार
Second - 79.75%

किरण
Third - 78.19%

B.Ed

अमृतपाल
First - 81.41%

सोनिया कामरा
Second - 80.06%

संतोष कुमारी
Third - 79.53%

B.Ed (Part Time)

धीरज जमतानी
First - 77.94%

जिज्ञासा पाटीदार
Second - 77.29%

दयावंती शर्मा
Third - 75.75%

उपलब्धियों से भरी है झोली

टांटिया यूनिवर्सिटी के फेकल्टी ऑफ एज्युकेशन की झोली उलब्धियों से भरी है। श्रीगंगानगर जिले का प्रथम एमएड कॉलेज है, वर्ष 2012 में नैक से अधिस्वीकृत किया गया है। अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर की कई सेमिनार एवं वेबिनार हो चुकी हैं। किन्नर विमर्श: इतिहास, समाज, साहित्य के संदर्भ में हुई अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में देश-विदेश के करीब 400 जनों की सहभागिता रही थी। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारने और कॅरियर को संवारने के लिए खूब मेहनत की जाती है।

एसजी हर्बल्स का च्यवनप्राश भी आया, खूब भाया

गुणवत्ता एवं शुद्धता के कारण पसंद किए जा रहे हैं सभी उत्पाद

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के आयुर्वेद कॉलेज की फार्मेसी एस जी हर्बल्स का च्यवनप्राश भी आ गया है, अपनी गुणवत्ता एवं शुद्धता के कारण इसे खूब पसंद किया जा रहा है। एस जी हर्बल्स के कई अन्य उत्पाद पहले से आ रहे हैं, इनके कारण विशिष्ट पहचान बन गई है। आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुभाष उपाध्याय एवं आयुर्वेद संकाय के अधिष्ठाता डॉ. अजय शर्मा के निर्देशन में उत्पाद तैयार करते समय पूरी सावधानी रखी जाती है। आयुर्वेद कॉलेज के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों की इस महत्वपूर्ण कार्य में सहभागिता रहती है। च्यवनप्राश एक किलोग्राम एवं आधा किलोग्राम की आकर्षक पैकिंग में तैयार किया गया है।

विशेषताओं से भरपूर

एस जी हर्बल्स का नया उत्पाद च्यवनप्राश विशेषताओं से भरपूर है। गाय के घी, शुद्ध शहद से निर्मित यह च्यवनप्राश कश्मीरी केसर युक्त है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में च्यवनप्राश काफी लाभप्रद है। दमा, खांसी, सर्दी, जुकाम एवं मौसमी बीमारियों में यह विशेष उपयोगी है। गुणवत्ता का च्यवनप्राश संक्रामक बीमारियों से बचाता है, शरीर की शारीरिक एवं मानसिक कमजोरी दूर करने में कारगर है, बच्चों के शारीरिक-मानसिक विकास में सहायक है, वृद्धावस्था जन्य रोगों में रामबाण औषधी भी च्यवनप्राश को माना जाता है।

आयुष क्वाथ की काफी मांग

एस जी हर्बल्स के उत्पाद आयुष क्वाथ की काफी मांग रहती है। यह गिलोय, तुलसी, दालचीनी, सोंठ, काली मिर्च एवं हरिद्रा आदि से निर्मित अद्भुत काढ़ा है। इसका उपयोग फेफड़ों से संबंधित बीमारी, खांसी, दमा, सांस फूलने, सर्दी-जुकाम, निमोनिया, वायरल आदि में काफी लाभप्रद रहता है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है। एस जी हर्बल्स का आयुष क्वाथ 50 ग्राम की पैकिंग में उपलब्ध है।

ये हैं अन्य औषधि उत्पाद

- एस जी हेयर ग्रो कैप्सूल-बालों को झड़ने, असमय सफेद, रूखापन, गंजापन, बालों को टूटने आदि के लिए।
- एस जी ल्यूकोकेयर कैप्सूल-महिलाओं में सफेद पानी (प्रदर रोग), माहवारी को नियमित करने, पेडू दर्द में विशेष रूप से उपयोगी।
- एस जी हेयर ग्रो ऑयल-बालों को झड़ने, असमय सफेद, रूखापन, गंजापन, बालों को टूटने आदि के लिए।
- एस जी ल्यूकोकेयर सिरप-महिलाओं में सफेद पानी (प्रदर रोग), माहवारी को नियमित करने, पेडू दर्द में विशेष रूप से उपयोगी।
- एस जी पेन गो कैप्सूल- गठिया, जोड़ों का दर्द, सर्वाइकल एवं कमर दर्द में अत्यंत उपयोगी।
- एस जी सुपर कैप्सूल-धात गिरना, शुक्राणु की कमी, नपुसंकता, शीघ्र पतन एवं यौन शक्ति बढ़ाने में उपयोगी।
- एस जी पेन गो ऑयल-गठिया, जोड़ों का दर्द, सर्वाइकल एवं कमर दर्द में अत्यंत उपयोगी।
- एस जी जाइमेट सिरप- भोजन में अरुचि, भूख न लगने, आफरा व गैस आदि पाचन तंत्र संबंधी विकारों में उपयोगी।

टांटिया समूह की सामाजिक कार्यों में सक्रिय सहभागिता सराहनीय

श्रीगंगानगर।

टांटिया समूह की सामाजिक कार्यों में सक्रिय सहभागिता सराहनीय है। इसने चिकित्सा सेवा एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं सामाजिक सरोकारों में भी बड़ी भूमिका निभाई है। महाराजा गंगासिंह के सपनों के शहर श्रीगंगानगर का यश राजस्थान ही पूरे देश तक पहुंचाने में इस समूह ने खूब परिश्रम किया है। टांटिया यूनिवर्सिटी टॉप-10 में रही है वहीं डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान कर रहा है। टांटिया समूह ने राजकीय जिला चिकित्सालय के आईसीयू का जीर्णोद्धार करवाया है, पेयजल व्यवस्था में सहयोग दिया है। शहर के प्रमुख चौराहे शिव सर्किल को गोद ले रखा है, इसी तरह के अनेक काम समाज हित में लगातार किए जा रहे हैं।

गणमान्य जनों ने की मुक्त कंठ से प्रशंसा

कोरोना काल में टांटिया समूह ने जागरुकता का अभियान चला कर प्रशंसनीय कार्य किया है। इस दौरान जागरुकता पर्चों, इम्यूनिटी बूस्टर, मास्क का वितरण करना तथा नुक्कड़ नाटक सराहनीय है। सामाजिक सरोकारों में ऐसी सक्रियता को जितना प्रोत्साहित किया जाए कम है।

- गौरीशंकर बंसल
आरसीएस सचिव, भूमि विकास बैंक

टांटिया समूह की सेवाएं वास्तव में प्रशंसनीय है। सालों से इसके माध्यम से श्रीगंगानगर ही नहीं पूरे देश की सेवा की जा रही है। टांटिया यूनिवर्सिटी में देश के अलावा विदेश के विद्यार्थी भी अध्ययन कर रहे हैं। कोरोना काल में भी इस समूह के सामाजिक कार्य अनुकरणीय रहे हैं।

- रमेश खदरिया
अध्यक्ष, श्रीगोशाला

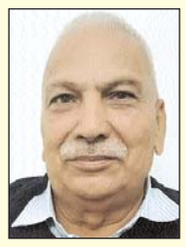

कोरोना काल में डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) ने इलाके के लोगों को अच्छी सेवाएं उलपब्ध करवाई है। कोरोना संबंधी जागरुकता का अभियान चलाना भी तारीफ के काबिल है। इसी तरह सक्रियता की अपेक्षा है।

- माणकचंद बोथरा
प्रमुख समाजसेवी

सक्षम एवं समर्थ लोगों को यथाशक्ति मानवता के महायज्ञ में आहुति जरूर डालनी चाहिए, टांटिया समूह सालों से ऐसा कर रहा है। डॉ. एसएस टांटिया एमसीएच रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में 10 रु. में मरीज देखना सुखद आश्चर्य है। समूह आगे बढ़े, ऐसी कामना है

- रमजान अली चौपदार
प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजयुमो

अपने लिए तो सभी करते हैं जो समाज के काम में आता है, वह प्रशंसा पाता है। टांटिया समूह उच्च शिक्षा के अलावा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। यह समूह सदा इसी तरह काम करे और आगे बढ़े, ऐसी कामना है।

- रविन्द्र कुमार छाबड़ा
प्रमुख प्रिन्टिंग कारोबारी

टांटिया यूनिवर्सिटी व जन सेवा हॉस्पिटल की व्यवस्थाओं से हुए प्रभावित

पीएनबी के अंचल प्रमुख श्रीवास्तव ने टांटिया समूह की प्रशंसा की

श्रीगंगानगर।

पीएनबी के अंचल प्रमुख अमित कुमार श्रीवास्तव ने टांटिया समूह की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दी जा रही सेवाओं तथा सामाजिक सरोकारों में सक्रिय सहभागिता की सराहना की है। टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर एवं डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) का उन्होंने दौरा किया तथा व्यवस्थाओं से प्रभावित हुए। टांटिया यूनिवर्सिटी के वाइस चेयरमैन डॉ. मोहित टांटिया ने उन्हें उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं के अलावा आगामी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। पीएनबी के मुख्य प्रबंधक सुशील कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक अमित कुमार भी अंचल प्रमुख के साथ थे। यूनिवर्सिटी के प्रबंधन मंडल के सदस्य सीए निशित अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक केएस सुखदेव, निदेशक डॉ. प्रवीण शर्मा, होम्योपैथी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. चरणजीत सिंह, जन सेवा हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह, सीएएफओ हरपाल सिंह, जनरल मैनेजर डॉ. विकास सचदेवा आदि ने उनका स्वागत किया।

टी-मीडिया का अवलोकन किया

पीएनबी के अंचल प्रमुख अमित कुमार श्रीवास्तव ने टांटिया समूह के गौरवशाली प्रकाशन टी-मीडिया का अवलोकन किया। इसके मुख्य सम्पादक डॉ. विकास सचदेवा ने उन्हें टी-मीडिया के बारे में बताया। उन्हें जानकारी दी गई कि चार पृष्ठों के इस डिजिटल बुलेटिन में टांटिया समूह से जुड़ी गतिविधियों, समाचारों आदि का ब्यौरा दिया जाता है वहीं समूह सदस्यों की प्रतिभा को भी आगे लाया जाता है। डॉ. सचदेवा ने बताया कि टी-मीडिया के माध्यम से कोरोना काल में सरकारी एडवाइजरी के बारे में प्रभावी ढंग से विवरण देते हुए सभी से पूरी सजगता का आग्रह किया गया।

टीयू के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) सक्सेना कोरोना को हरा काम पर लौटे

- **डॉ. संजय सोलंकी एवं टीम की तारीफ की**

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना कोरोना वायरस को हरा पूरी ऊर्जा एवं सकारात्मकता के साथ काम पर लौट आए हैं। वे और उनकी धर्मपत्नी गत दिनों पॉजिटिव आ गए थे, अब दोनों बिलकुल स्वस्थ हैं। डॉ. सक्सेना ने डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के कोविड ट्रीटमेंट सेंटर की सेवाओं की सराहना की है। उन्होंने विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. संजय सोलंकी एवं उनकी टीम की तारीफ करते हुए कहा है कि समर्पित और सेवाभावी स्टाफ, सीटी स्केन सहित तमाम तरह की जांचों, उपकरणों आदि से सुसज्जित यह सेंटर प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। डॉ. सक्सेना ने सभी से यह आग्रह भी किया है कि कोरोना वायरस के प्रति पूरी तरह सजग रहें। सरकार की ओर से जारी एडवाइजरी की अच्छे ढंग से पालना की जाए। मास्क, दो गज दूरी, बार-बार हाथ धोने आदि सावधानियों का पूरा ध्यान रखा जाए।

डॉग आया पांव घसीटते हुए, गया दौड़ते हुए

टांटिया वेटरनरी क्लिनिक से बड़ी संख्या में पशु-पक्षी हो रहे लाभान्वित

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित टांटिया वेटरनरी क्लिनिक से बड़ी संख्या में पशु-पक्षी लाभान्वित हो रहे हैं। हाल ही में लकवा के कारण पांव घसीट कर चलने को मजबूर एक पालतू डॉग लाया गया। विशेषज्ञता एवं अनुभव से उसका सफल उपचार हुआ और वह दौड़ता हुआ गया। इस डॉग पर परिवार के सदस्य जैसा स्नेह लुटाया जाता है, उसकी तकलीफ को देखकर पूरा परिवार चिन्तित था। जब इसे पूरी तरह स्वस्थ और सामान्य ढंग से चलते-दौड़ते देखा तो परिजन खुशी से फूले नहीं समाए। ऐसे सुखद दृश्य क्लिनिक में रोज देखे जा रहे हैं।

टांटिया समूह के संस्थापक स्वर्गीय डॉ. श्यामसुन्दर जी टांटिया के जन्म दिवस (20 अगस्त) को यादगार बनाने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे पशु चिकित्सालय को विशेष रूप से तैयार किए गए नए भवन में स्थानांतरित कर पशुपालकों को सौगात दी गई है। अत्याधुनिक विश्वस्तरीय उपकरणों एवं अनुभवी-प्रशिक्षित स्टाफ के साथ विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की सेवाएं सिर्फ 10 रुपए में उपलब्ध करवाई गई है। हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी के गेट नम्बर 4 स्थित टांटिया वेटरनरी क्लिनिक से पशुपालक भरपूर लाभ उठा रहे हैं। इस क्लिनिक में चूहे से लेकर ऊंट तक, गौवंश, भैंस, कुत्ते, बिल्ली आदि सभी तरह के पशुओं तथा पक्षियों का का उपचार उपलब्ध है।

टांटिया वेटरनरी क्लिनिक इन दिनों मादा बिल्ली, कोयल, डॉग सहित कई अन्य पशु-पक्षियों की जटिल तकलीफ का सफल उपचार का खासा प्रशंसा बटोर चुकी है। साथ आने वाले पशुपालकों के जरूरत के हिसाब से ठहरने की व्यवस्था भी की गई है। इस क्लिनिक से श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले ही पड़ोसी राज्यों के पशुपालकों को भी काफी सुविधा हुई है।

त्याग और तपस्या का दूसरा नाम है किसान देश की है शान, इन पर सभी को अभिमान

किसान त्याग और तपस्या का दूसरा नाम है। देश की शान है, इन पर सभी को अभिमान है। इनको सम्मान देने के लिए प्रति वर्ष 23 दिसम्बर को किसान दिवस मनाया जाता है।

निधि जैन

किसान वर्तमान संदर्भ में आधुनिक विष्णु हैं। कृषि किसान की शक्ति है और यही उसकी भक्ति है। कड़ाके की ठंड हो या हाड धुजाने वाली धुंध, तेज धूप हो या बदन झुलसाने वाली लू, सर्दी हो या गर्मी, संडे हो या मंडे-किसान बस जुटे रहते हैं।

ऐसा माना जाता है और है भी, देश की आत्मा गांवों में बसती है। गांवों के प्राण हैं, किसान। देश के विकास में कृषि और किसान की भूमिका सर्वाधिक महत्वूर्ण है। उदाहरण के तौर पर बात की जाए श्रीगंगानगर क्षेत्र की तो इसे अन्न का कटोरा यूं ही नहीं बोला जाता। अन्नदाता माने जाने वाले किसानों की अथक मेहनत की वजह से ही यह उपमा मिली है। गंगानगरी किन्नू गुणवत्ता में पाकिस्तान को पछाड़ चुका है। गंगानगरी ग्वार की बहार रहती है। गंगानगरी गुलाब की गाड़ी खाड़ी देशों तक गई है। कपास पट्टी बोला जाता है, जौ एक नम्बर की मानी जाती है। यह सब किसानों की लगन और समर्पण से ही संभव हुआ है।

डॉ. देवाश्री मान

दूसरी तरफ, कड़वा सच यह भी है कि किसानों की आर्थिक स्थिति जैसी होनी चाहिए, वैसी है नहीं। एक नहीं अनेक कारण इसके जिम्मेदार हैं। सरकार को किसानों के लिए अधिक संवदेनशील होने की दरकार है, कृषि कारोबार से जुड़े व्यापारियों आदि को भी किसानों के हित में अधिक सक्रिय होने की जरूरत है। किसानों के कल्याण से जुड़े अधिकारियों और सरकारीकर्मियों को भी चाहिए कि वे अन्नदाता का याचक की मुद्रा में आना न केवल रोके, उनका जीवन स्तर सुधारने का काम मनोयोग से करें।

टांटिया किसान सेवा केंद्र ने मनाया किसान दिवस

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के कृषि संकाय ने अपने टांटिया किसान सेवा केंद्र में किसान दिवस मनाया। निधि जैन एवं डॉ. देवाश्री मान ने किसान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसानों को नई तकनीक को अपनाते हुए आगे बढ़ना चाहिए। जल प्रबंधन, जैविक खेती की तरफ रुझान बढ़ाना चाहिए। किसानों के जीवन स्तर में सुधार के लिए सरकारों तथा कृषि से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष जुड़े सभी लोगों से भी यह अपेक्षा जताई गई कि आज तक की स्थिति की समीक्षा कर, अच्छे बदलाव के लिए सभी जरूर कदम उठाए जाएं। किसान आगे बढ़ेगा, तभी देश आगे बढ़ेगा। इसके लिए सभी को चिंता और चिंतन करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अगला किसान दिवस, नई शान से मनाया जाए।

किसानों की दशा और दिशा में सकारात्मक बदलाव के लिए स्वयं किसानों की जागरुकता सर्वाधिक जरूरी है। उन्हें अपनी खामियों को दूर करना चाहिए, खूबियों को बढ़ाना चाहिए। परम्परागत खेती के स्थान पर नई तकनीक को अपनाना चाहिए। जमाने के साथ चलते हुए बदलाव करने चाहिए। उत्पान लागत घटाने तथा उत्पादन एवं गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रत्येक जरूरी कदम उठाने चाहिए। पानी की एक-एक बूंद के सदुपयोग की तरफ ध्यान देना चाहिए। अपने उत्पाद के उचित दाम के लिए विपणन के प्रति भी विशेष ध्यान देना चाहिए।

टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल सेवाओं सुविधाओं से भरपूर इसलिए यश फैला दूर-दूर

स्वर्ण पदक विजेता मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास गर्ग की विशेषज्ञता साबित हो रही वरदान

श्रीगंगानगर।

जिला मुख्यालय का सुखाड़िया मार्ग स्थित टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल में नियमित सेवाएं दे रहे डॉ. गर्ग किडनी एवं पेशाब की नली में पत्थरी के ऑप्रेशन दूरबीन एवं लेजर से तथा प्रोस्टेट का ऑप्रेशन दूरबीन से करने के सिद्धहस्त हैं। इसके

अपेक्षाओं पर खरा उतर रहा है। विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा अनुभवी, सेवाभावी स्टाफ की सेवाओं के कारण हॉस्पिटल की खास पहचान बनी है और यश दूर-दूर तक फैला है।

सुपर स्पेशिलिटी यूरोलॉजी में भारत सरकार के डिप्लोमेट ऑफ नैशनल बोर्ड (डीएनबी) की परीक्षा में पूरे देश में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले टांटिया हॉस्पिटल के वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट डॉ. विकास गर्ग की विशेषज्ञता मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही है। पटियाला एवं नाडियाड से उच्च शिक्षित डॉ. गर्ग का मूत्र रोग के क्षेत्र में बड़ा नाम है। टांटिया जनरल एंड

डॉ. विकास गर्ग

अलावा पेशाब के रूक-रूक कर आने, बार-बार आने, जल्दी आने, पेशाब करने में जोर लगने, पेशाब में खून आने, अपने आप निकल जाने का भी वे इलाज करते हैं।

किडनी, पेशाब की थैली, प्रोस्टेट कैंसर के इलाज, पेशाब के रास्ते की रूकावट के ऑप्रेशन, पुरुषों की सैक्स संबंधी समस्याओं के इलाज आदि में भी डॉ. गर्ग ख्याति प्राप्त हैं।

उनके अनुभव का श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ जिले ही नहीं पंजाब-हरियाणा सहित अनेक राज्यों के रोगी लाभ उठा रहे हैं।

सुविधाओं की लम्बी सूची

टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल में अत्याधुनिक विश्वस्तरीय उपकरणों तथा उपलब्ध विश्वसनीय सेवाओं की सूची बहुत लम्बी है। एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेस मेकर, डिवाइस क्लोजर, कैथ लैब सहित अनेक सुविधाओं के चलते टांटिया हॉस्पिटल की विशिष्ट पहचान है। सीसीयू, एडल्ट इकोकार्डियोग्राफी, बच्चों की इकोकार्डियोग्राफी, एंजियोग्राफी (फीमोरल एंड रेडियल), बैलून से हृदय वाल्व को खोलने, पांव एवं गुर्दे के नसों की एंजियोप्लास्टी, कम्प्यूटराइज्ड ईसीजी, सीटी पलमोनरी, डिजिटल एक्स-रे, हाईटेक लेबोरेट्री, जन्मजात हृदय रोगों का उपचार, टीएमटी आदि की सुविधा अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित उपकरण टांटिया हॉस्पिटल में उपलब्ध है।

जांच में गुणवत्ता, समय भी कम

टांटिया हॉस्पिटल में एमआरआई 1.5 टेस्ला 16 चैनल की मशीन में अन्य साधारण मशीन की तुलना में आधे समय में जांच हो जाती है, जांच की गुणवत्ता भी साधारण मशीन के मुकाबले 5 गुणा ज्यादा होती है। पेट की एमआरआई एवं छाती-पैर की नसों को देखना संभव है, दिमाग व रीढ़ की हड्डी की बारीक नसों की भी गहनता से जांच होती है। खर्चा साधारण एमआरआई के बराबर ही लगता है।

टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में सिर से पांव तक की एंजियोग्राफी भी उपलब्ध है। सीटी स्केन 16 स्लाइस का होने से पेट के कैंसर की पकड़ भी आसानी से होती है, अधरंग, लकवे जैसी समस्या में भी बहुत कारगर है।

पहला एचएफएनओ वेंटिलेटर

क्षेत्र का पहला एचएफएनओ वेंटिलेटर (हाइ फ्लो नेजल ऑक्सीजनरेटर) टांटिया हॉस्पिटल में लगाया गया है। इससे श्वांस संबंधी तथा अन्य गम्भीर स्थिति वाले रोगियों को भारी लाभ होता है। इस अत्याधुनिक वेंटिलेटर के लगे रहने के दौरान मरीज खाना खा सकता है, बात भी कर सकता है। एक मिनट में 60 लीटर तक ऑक्सीजन दी जा सकती है। गम्भीर स्थिति वाली रोगियों के लिए यह बहुत उपयोगी है। लगभग पांच दर्जन तरह की एलर्जी की जांच के अलावा एमआरआई, सीटी स्केन, सीटी वर्चुअल ब्रोंकोस्कोपी से श्वास की नलिकाओं में फोरेन बॉडी पता लगाने, रंगीन कोंट्रास्ट सीटी स्केन से हर प्रकार के कैंसर का मालूम करने आदि की सुविधा भी टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल में उपलब्ध है।

50 पार वाले रखें सावधानी

डॉ. विकास गर्ग के अनुसार 50 वर्ष से अधिक की आयु वालों को विशेष सावधानी रखनी चाहिए। जागरुकता से बीमारी का समाधान शुरूआती स्थिति में होने की पूरी संभावना रहती है। सामान्यतः पुरुषों में 50 वर्ष की आयु के बाद प्रोस्टेट (गदूद) का आकार बढ़ने लगता है, इससे मूत्राशय से पेशाब निकलने में रूकावट होने लगती है। रात को पेशाब के लिए उठने, बार-बार पेशाब आने, धार पतली होने, पेशाब शुरू होने में समय लगने, जोर लगाना पड़ने, पेशाब करने के बाद भी संतोष नहीं होने की स्थिति में विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। गदूद का बढ़ना उम्र से संबंधित रोग है, समय रहते इसका उपचार एवं ऑप्रेशन पूरी तरह से संभव है।

पहुंचा रहे हैं आहत को राहत

डॉ. विकास गर्ग ने कितने ही जटिल मामलों में आहत मरीजों को राहत पहुंचाई है। रायसिंहनगर क्षेत्र का लगभग 70 वर्षीय मरीज पेशाब का रास्ता खराब होने से परेशान था। जयपुर, बीकानेर भी निराशा हाथ लगी। डॉ. गर्ग ने दूरबीन से इस रास्ते को ठीक कर राहत पहुंचाई है। लगभग 72 साल के एक बुजुर्ग प्रोटेस्ट संबंधी समस्या से काफी परेशान थे। कई जगह इलाज करवाया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा था। डॉ. गर्ग ने पूरी जांच के बाद 80 ग्राम से अधिक के प्रोटेस्ट का सफल ऑप्रेशन किया और उन्हें परेशानी से निजात दिलाई, 6 साल का बच्चा 3 साल से परेशान था। पेशाब संबंधी तकलीफ से परिजन भी बहुत अधिक परेशान थे। एक्सरे आदि के माध्यम से पूरी जांच की और पीलीबंगा इलाके के इस बालक को एक माह तक दवाई दी तो वह परेशानी से बच गया। पेशाब की थैली का मुंह बंद होने से श्रीबिजयनगर क्षेत्र का 46 वर्षीय मरीज 5-6 साल से काफी तकलीफ पा रहा था। जांच में पीबीएनओ नाम की परेशानी पाई गई, इस पर ऑप्रेशन कर थैली का बंद मुंह खोल का राहत पहुंचाई गई।

जन सेवा हॉस्पिटल के चिकित्सा महाशिविर में ईसीजी निःशुल्क, हर प्रकार की लेबोरेट्री जांच में विशेष छूट

- 10 दिसम्बर को शुरू हुआ, 15 फरवरी तक चलेगा
- बड़ी संख्या में मरीज रोजाना हो रहे हैं लाभान्वित

श्रीगंगानगर।

हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के नॉन कोविड ब्लॉक में चिकित्सा महाशिविर जारी है, रोजाना बड़ी संख्या में मरीज इससे लाभान्वित हो रहे हैं। यह 10 दिसम्बर से शुरू हुआ है और 15 फरवरी तक चलेगा।

हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह ने बताया कि इस चिकित्सा महाशिविर में ईसीजी निःशुल्क की जा रही है, लेबोरेट्री जांच में विशेष छूट दी जा रही है। सीबीसी सिर्फ 20 रुपए में तथा अल्ट्रासाउंड केवल 100 रुपए में किया जा रहा है। दवाइयों पर छूट भी दी जा रही है।

जन सेवा हॉस्पिटल में परामर्श शुल्क केवल 10 रुपए, भर्ती शुल्क मात्र 20 रुपए रखा हुआ है। हॉस्पिटल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं नियमित उपलब्ध हैं। इमरजेंसी एवं ट्रोमा विभाग में हर समय न्यूरो, आर्थो एवं प्लास्टिक सर्जन जैसे विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध हैं। आयुष्मान भारत योजना में निःशुल्क इलाज होता है तथा प्रमुख बीमा कम्पनियों से बीमित मरीजों एवं राज्य कर्मचारियों-पेंशनर्स के लिए कैशलेस उपचार सुविधा उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नम्बर 1800123101020 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

टी-क्लिक

सुंदर-शांत परिसर विशाल-बनाए कॅरियर और करे खुशहाल

टांटिया यूनिवर्सिटी का परिसर सुंदर, शांत और विशाल। टॉप-10 में है शामिल। गुणवत्ता की उच्च शिक्षा और विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयत्नशील। यूनिवर्सिटी परिसर को जो देखता है, देखता रह जाता है। इसकी विशालता और सुंदरता को सहजते ऐसे एक मनोरम दृश्य को कैद किया है साथी **अतुल सुथार** ने।

टी-क्लिक : टांटिया समूह के साथी समूह के किसी भी संस्थान, सेवाओं, सुविधाओं अथवा इंफ्रास्ट्रक्चर को दर्शाती या अन्य कोई संदेश तस्वीर 'टी क्लिक' के लिए प्रेषित कर सकते हैं। फोटोग्राफी में रुझान हो तो उठाइए कैमरा और यादगार पल को कैद कर अपने नाम व विवरण के साथ tmedia@tantiauniversity.com पर मेल कर दीजिए।

कोविड जांच के नमूने घर से लेने की सुविधा पा रही खूब सराहना

जन सेवा हॉस्पिटल की लैब ने परेशानी से दिलाया छुटकारा

श्रीगंगानगर।

हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) की कोरोना वायरस कोविड-19 की लैब के घर से नमूने लेने की सुविधा खूब सराहना पा रही है। इस नई लैब ने मरीजों और उनके परिजनों को होने वाली परेशानी से छुटकारा दिलाया है। इससे क्षेत्रवासियों को भारी लाभ मिलना शुरू हो गया है। अब जांच रिपोर्ट के लिए अधिक इंतजार की समस्या का समाधान भी हो गया है। महानगरों की तरह श्रीगंगानगर में भी 6 से 8 घंटे में कोरोना की जांच रिपोर्ट मिलने की सुविधा प्राप्त हो गई है। जन सेवा हॉस्पिटल की लैब को नेशनल एक्रीडेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड केलिब्रेशन लेबोरेट्रीज (एनएबीएल) से मंजूरी मिलने के साथ ही इण्डियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली (आइसीएमआर) ने भी कोरोना जांच के सेम्पल लेने के लिए अधिकृत किया है। बीकानेर संभाग की प्रथम एवं एकमात्र इस निजी कोविड जांच लैब को कोरोना काल में अति महत्वपूर्ण साबित हुए 'आरोग्य सेतु' एप्प ने भी अपनी सूची में शामिल किया है, ताकि नजदीकी क्षेत्र के लोग भी इस लैब का लाभ उठा सकें। माइक्रोबॉयोलोजिस्ट डॉ. नितिशा मलिक की सेवाएं इसमें उपलब्ध है। घर से नमूने लेने एवं अन्य जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर 94140 92050 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अभी तक सिर्फ सरकारी लैब में कोरोना जांच की सुविधा उपलब्ध होने के कारण लोगों को कई बार परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, सरकारी व्यवस्था पर भी अत्यधिक दबाव बना हुआ था। अब प्राइवेट लैब शुरू होने से आमजन को राहत मिलनी शुरू हो गई है, इससे कोविड पोजिटिव होने का जल्द पता लगने से जल्द ही इलाज शुरू हो गया है। एयरपोर्ट, एकेडमिक एडमिशन तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रवेश से पूर्व कोरोना रिपोर्ट प्रस्तुत करने की औपचारिकता पूरी करने के लिए अधिक इंतजार नहीं करना पड़ रहा।

पुण्य स्मृति: श्रद्धेय डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया | मार्गदर्शक: डॉ. विशु टांटिया | मुख्य सम्पादक: डॉ. विकास सचदेवा (मो. : 9461221718) | कार्यकारी सम्पादक: राजकुमार जैन (मो. : 8005519250) | पुण्य स्मृति: श्रद्धेय श्रीमती शकुन्तला देवी टांटिया

टांटिया समूह द्वारा जनहित में निःशुल्क प्रसारित-प्रचारित। सर्वाधिकार सुरक्षित। बिना अनुमति, दुर्भावनावश, किसी भी अंश को कांट-छांटकर या सौजन्य उल्लेख के बिना उपयोग में लाए जाने पर दण्डनीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। - मुख्य सम्पादक
मुख्य कार्यालय : टी मीडिया, द्वितीय तल, जन सेवा हॉस्पिटल, टांटिया विश्वविद्यालय परिसर, हनुमानगढ़ मार्ग, श्रीगंगानगर-335002